बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC)

बिहार शिक्षक भर्ती (TRE 4) — द्विस्तरीय परीक्षा मॉडल एवं संपूर्ण रणनीति नियमावली

आधिकारिक संदर्भ नोट: वर्तमान में विभाग द्वारा अंतिम अधिसूचना प्रतीक्षित है। यह व्यापक ढांचा पूर्ववर्ती TRE पैटर्न, बिहार लोक सेवा आयोग की पारंपरिक राज्य परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रस्तावित ड्राफ्ट सिलेबस के गहन विश्लेषण के आधार पर तैयार किया गया है ताकि अभ्यर्थियों को एक स्पष्ट मार्गदर्शिका प्राप्त हो सके।

📌 भर्ती प्रक्रिया का पूर्ण संरचनात्मक मॉडल (Complete Blueprint)

चरण 1
प्रारंभिक परीक्षा (PT)
100 अंक (स्क्रीनिंग)
→
चरण 2
मुख्य परीक्षा चयन
वैकेंसी का 5-10 गुना
→
चरण 3
मुख्य परीक्षा (Mains)
150 अंक (120 से मेरिट)
→
चरण 4
दस्तावेज सत्यापन
(DV Process)
→
अंतिम चयन नियुक्ति पत्र (Merit List)

1. प्रथम चरण: प्रारंभिक परीक्षा (PT / Prelims) की संभावित रूपरेखा

प्रारंभिक परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विशाल संख्या में से गंभीर अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट करना है। यह पूरी तरह से OMR आधारित बहुविकल्पीय परीक्षा होगी।

क्र.सं.	विषय खंड (Subject Sections)	संभावित प्रश्न	संभावित अंक
1	तार्किक क्षमता (Reasoning)	20 – 25	20 – 25
2	सामान्य गणित (Mathematics)	20 – 25	20 – 25
3	सामान्य विज्ञान (Science)	20	20
4	भारतीय इतिहास (History)	10 – 15	10 – 15
5	भूगोल एवं पर्यावरण (Geography & Environment)	10 – 15	10 – 15
6	बिहार विशेष + समसामयिकी (Bihar Special & Current Affairs)	15 – 20	15 – 20
-	**कुल संभावित संरचना**	**100 प्रश्न**	**100 अंक**

📌 PT परीक्षा की महत्वपूर्ण नियमावली:

- **स्क्रीनिंग प्रकृति (Screening Only):** प्रारंभिक परीक्षा के प्राप्तांक अंतिम मेधा सूची में **नहीं जोड़े जाएंगे**। यह केवल मुख्य परीक्षा का टिकट है।
- **नकारात्मक अंकन:** प्रारंभिक परीक्षा के स्तर पर नेगेटिव मार्किंग लागू होने की संभावना न्यूनतम आंकी गई है।
- **प्रश्न का स्तर:** यह पूर्णतः संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) स्तर का न होकर **BPSC प्रशासनिक + CTET + SSC** का एक व्यावहारिक मिश्रण होगा, जहां NCERT/SCERT अवधारणाओं पर फोकस रहेगा।

2. मुख्य परीक्षा (Mains) हेतु शॉर्टलिस्टिंग एवं अतिरिक्त अभ्यर्थी नियम

प्रारंभिक परीक्षा के आधार पर रिक्तियों के अनुपात में 5 से 10 गुना अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए चुना जाएगा।

संभावित रिक्तियां (Vacancy)	मुख्य परीक्षा (Mains) हेतु अर्हता प्राप्त अभ्यर्थियों की संख्या
10,000 पद	50,000 से 1,00,000 अभ्यर्थी
20,000 पद	1,00,000 से 2,00,000 अभ्यर्थी
50,000 पद	2,50,000 से 5,00,000 अभ्यर्थी

📌 अतिरिक्त अभ्यर्थी (Extra Candidates) तय करने के तीन मुख्य आधार:

1. **निश्चित अनुपात प्रणाली (Fixed Ratio):** श्रेणीवार कटऑफ तय कर सीधे टॉप गुणांक (जैसे 5X या 10X) के छात्रों को मुख्य परीक्षा में बुलाया जाएगा।
2. **समान कटऑफ समाधान (Cutoff Based Resolution):** यदि अंतिम शॉर्टलिस्टेड रैंक पर कई अभ्यर्थियों के समान अंक होते हैं, तो उन सभी को नियमों के तहत मुख्य परीक्षा देने का अवसर मिलेगा।
3. **आरक्षण श्रेणीवार शार्टलिस्टिंग:** बिहार सरकार के आरक्षण नियमों के अनुरूप सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, एससी-एसटी तथा महिला वर्गों के लिए अलग-अलग कटऑफ सूचियां जारी होंगी।

3. द्वितीय चरण: मुख्य परीक्षा (Mains Exam) — वास्तविक मेधा का आधार

★ ध्यान दें: मुख्य परीक्षा ही आपकी अंतिम सफलता और नियुक्ति की एकमात्र आधारशिला है।

मुख्य परीक्षा कुल 150 अंकों की होगी, जो दो स्पष्ट भागों में बंटी है। इसका गहन विश्लेषण नीचे दिया गया है:

A. भाषा खंड (Language Section) — अर्हकारी प्रकृति (Qualifying)

- **कुल प्रश्न एवं अंक:** 30 प्रश्न / 30 अंक।
- **विषय संयोजन:** इसमें सामान्य अंग्रेजी (English) के साथ अभ्यर्थी की वैकल्पिक चुनी गई भाषा (यथा- हिन्दी, उर्दू या बांग्ला) शामिल होगी।
- **अनिवार्यता शर्त:** इस खंड में अभ्यर्थी को **न्यूनतम 30% अंक (अर्थात 9 अंक)** लाना अनिवार्य है। यदि कोई अभ्यर्थी इसमें अनुत्तीर्ण होता है, तो उसके मुख्य पेपर का मूल्यांकन ही नहीं किया जाएगा।
- **मेरिट गणना:** इसके अंकों को फाइनल मेरिट लिस्ट में **नहीं** जोड़ा जाता है।

B. मुख्य मेधा खंड (Subject Knowledge + General Studies) — 120 अंक

अंतिम मेधा सूची (Final Merit List) इसी 120 अंकों के प्राप्तांकों के आधार पर तैयार की जाती है। इसे दो रणनीतिक भागों में बांटा गया है:

मुख्य परीक्षा उप-भाग	कुल प्रश्न	कुल अंक	पाठ्यक्रम क्षेत्र एवं स्तर
भाग-अ: मुख्य विषय (Subject)	80 प्रश्न	80 अंक	संबद्ध अध्यापन विषय (गणित, विज्ञान, भाषा, सामाजिक विज्ञान आदि)। स्तर: न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप उच्च-स्तरीय NCERT/SCERT वैचारिक प्रश्न।
भाग-ब: सामान्य अध्ययन (GS)	40 प्रश्न	40 अंक	प्राथमिक गणित, सामान्य विज्ञान, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (इतिहास), भूगोल एवं समसामयिकी (Current Affairs)।
कुल मेरिट क्षेत्र (Merit Area)	**120 प्रश्न**	**120 अंक**	**इसी स्कोर पर अंतिम मेधा सूची (मेरिट लिस्ट) का प्रकाशन होगा।**

4. मुख्य परीक्षा की टाई-ब्रेकर नियमावली (Tie-Breaker System)

यदि मुख्य परीक्षा की अंतिम मेधा सूची में दो या अधिक अभ्यर्थियों के कुल अंक (120 में से) समान हो जाते हैं, तो BPSC निम्नलिखित क्रमिक नियमों द्वारा श्रेष्ठता तय करता है:

1. **पहला नियम (विषय प्राप्तांक):** सबसे पहले 80 अंकों वाले मुख्य विषय (Subject Knowledge) के अंक देखे जाएंगे। जिसके विषय में अधिक अंक होंगे, उसे मेरिट में ऊपर रखा जाएगा।
2. **दूसरा नियम (भाषा प्राप्तांक):** यदि विषय के अंक भी समान निकले, तो क्वालीफाइंग भाषा (30 अंक) के अंकों को देखा जाएगा।
3. **तीसरा नियम (आयु एवं वर्णानुक्रम):** यदि उपर्युक्त दोनों नियम भी समान रहते हैं, तो अधिक आयु (Age) वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। अंत में देवनागरी लिपि के वर्णानुक्रम (Alphabetical Order) के अनुसार नाम के पहले अक्षर के आधार पर चयन होगा।

5. रणनीतिक मार्गदर्शन एवं भावी तैयारी का रोडमैप

- **विषय विशेषज्ञता (Subject Mastery):** चूंकि विषय के 80 अंक सीधे मेरिट तय करते हैं और पहला टाई-ब्रेकर भी हैं, इसलिए एनसीईआरटी/एससीईआरटी के गहन अध्यायों का नोट्स बनाकर बार-बार अध्ययन करें।
- **जीएस में निरंतरता (GS Strategy):** भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (Modern History) तथा बिहार विशेष करंट अफेयर्स इस खंड में आपके लिए सबसे बड़े स्कोरिंग क्षेत्र साबित होंगे।
- **ऐतिहासिक अवसर:** यदि इस बार TRE 4 में अपीयरिंग कैंडिडेट्स को अनुमति मिलती है और रिक्तियों का आकार बड़ा रहता है, तो दो चरणों वाली यह परीक्षा बिहार की अब तक की सबसे पारदर्शी और ऐतिहासिक शिक्षक भर्ती बनेगी।

बिहार शिक्षक भर्ती (BPSC TRE 4) - स्वर्णिम भविष्य की ओर बढ़ते कदम।

*यह दस्तावेज़ अभ्यर्थियों की सहायता हेतु शोध एवं पूर्व पैटर्नों के विश्लेषण पर आधारित है।